राहत पैकेज के ऐलान से 10% उछले शुगर स्टॉक्स

[बिस्वजीत बरुआ | मुंबई]

सरकार के रॉ शुगर पर इंपोर्ट ड्यूटी 15 पर्सेंट से बढ़ाकर 40 पर्सेंट करने के फैसले से शुगर कंपनियों के शेयर सोमवार को 10 पर्सेंट तक चढ़ गए। केंद्र ने पेट्रोल में एथनॉल ब्लेंडिंग का लेवल भी मौजूदा 5 पर्सेंट से बढ़ाकर 10 पर्सेंट करने का फैसला किया है। शुगर मिलों को गन्ना किसानों का 11,000 करोड़ रुपये चुकाना है। सरकार इन कदमों के जरिये शुगर इंडस्ट्री में जान फूंकने की कोशिश कर रही है।

सेंट्रम वेल्थ मैनेजमेंट के चीफ इनवेस्टमेंट ऑफिसर और एग्जिक्यूटिव डायरेक्टर कुंज बंसल ने बताया, 'सरकार के पॉजिटिव स्टेप्स से शुगर सेक्टर को लेकर मार्केट की सोच बदलेगी। ट्रेडर्स को शॉर्ट टर्म इनवेस्टमेंट के मौके मिलेंगे। वहीं शुगर सेक्टर पर कमोडिटी साइकल के चलते लॉन्ग टर्म कॉल लेना मुश्किल है।' श्री रेणुका शुगर्स के शेयर सोमवार को 10.32 पर्सेंट चढ़कर 29.40 रुपये, बजाज हिंदुस्तान के 9.87 पर्सेंट चढ़कर 29.50 रुपये, धामपुर शुगर के 7.04 पर्सेंट चढ़कर 85.15 रुपये पर बंद हुए। एनालिस्टों का कहना है कि सरकार के ऐलान से इंडस्ट्री को राहत मिलेगी, जो पिछले 4 साल से सरप्लस प्रॉडक्शन से परेशान है। 2013-14 के शुगर सीजन के खत्म होने तक चीनी का अनुमानित स्टॉक 75 लाख टन था। इंपोर्ट ड्यूटी में बढ़ोतरी के बाद विदेश से चीनी खरीदना फायदे का सौदा नहीं रह जाएगा। इससे ब्राजील, थाईलैंड और पाकिस्तान को नुकसान हो सकता है क्योंकि दुनिया में सबसे ज्यादा चीनी की खपत भारत में होती है। सरकार सितंबर तक शुगर एक्सपोर्ट के लिए 3,300 रुपये प्रति टन की सब्सिडी भी देगी। इससे शुगर प्रॉडक्शन और एक्सपोर्ट बढ़ाने में मदद मिल सकती है। केंद्र ने शुगर सेक्टर को बगैर इंटरेस्ट के 4,400 करोड़ रुपये का अतिरिक्त लोन देने का भी फैसला किया है। इससे चीनी मिलों को गन्ना किसानों का पैसा लौटाने में सहूलियत होगी क्योंकि अभी वे कैश की कमी से जूझ रही हैं। शुगर सेक्टर के राहत पैकेज पर जियोजीत बीएनपी पारिबा फाइनेंशियल सर्विसेज के रिसर्च हेड एलेक्स मैथ्यूज ने कहा, 'सरकार के ऐलान से शुगर कंपनियों को लेकर सेंटीमेंट सुधरा है, जो हाल तक अंडरपरफॉर्म कर रही थीं। हम आगे चलकर शुगर सेक्टर की री-रेटिंग की उम्मीद कर रहे हैं।' सरकार के एथनॉल ब्लेंडिंग बढ़ाने के फैसले से करेंट एकाउंट डेफिसिट कम करने में भी मदद मिल सकती है। इससे भी मिलों का मुनाफा बढ़ेगा। एनालिस्टों का कहना है कि गन्ने की कीमत को चीनी के दाम से जोड़ने पर शुगर स्टॉक्स की री-रेटिंग हो सकती है। स्टॉक बढ़ने से डोमेस्टिक मार्केट में चीनी की कीमतों पर दबाव था।

रॉ शुगर पर इंपोर्ट ड्यूटी 15 पर्सेंट से बढ़ाकर 40 पर्सेंट करने के फैसले से शुगर कंपनियों के शेयर सोमवार को 10 पर्सेंट तक चढ़ गए

इकनॉमिक टाइम्स
24/6/14